मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक
मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 161 | जयपुर, बुधवार, 22 जनवरी, 2025 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचार के साथ आत्मनिर्भर भारत की ओर एक और कदम

सीरी में विकसित तीन अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को किया सफल हस्तांतरण

पिलानी/मुंबई (मृदुल पत्रिका)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी योगदान करते हुए सीएसआईआर-सीरी ने तीन प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को सफल हस्तांतरण किया है। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में नवनिर्मित सीएसआईआर इनोवेशन सेंटर के उद्घाटन के अवसर पर हुआ।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. सारस्वत और डॉ. वी. के. पॉल तथा सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ एन कलैसेल्वी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और प्रौद्योगिकी विकास के लिए वैज्ञानिकों को साधुवाद दिया।

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अंतर्गत, दृश्यज्ञ आधारित आईसीयू मरीज निगरानी प्रणाली को मेसर्स कोलेटरल मेडिकल्स, मुंबई को हस्तांतरित किया गया। यह तकनीक आईसीयू में भर्ती मरीजों की निगरानी को स्मार्ट और दक्ष बनाएगी। आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) पर आधारित यह प्रणाली मरीजों के स्वास्थ्य डेटा को रीयल-टाइम में ट्रैक करने में सक्षम है।

इसके अलावा, सॉफ्टवेयर सॉल्युशंस फॉर कॉल्पोस्कोपी भी कोलेटरल मेडिकल्स, मुंबई को हस्तांतरित किया गया। यह सॉफ्टवेयर डॉक्टरों को कॉल्पोस्कोपी के दौरान स्वास्थ्य डेटा का सटीक और तेज विश्लेषण प्रदान करता है, जिससे न केवल सटीकता में सुधार होगा, बल्कि मरीजों के इलाज में लगने वाला समय भी कम हो जाएगा। तीसरी महत्वपूर्ण तकनीक, सस्ती पीसीआर तकनीक, प्रो एड्युस्फीयर प्रा. लि., गुरुग्राम को हस्तांतरित की गई। इस तकनीक के माध्यम से पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन टेस्ट, जो कई प्रकार की बीमारियों के निदान में उपयोगी है, को अधिक किफायती और व्यापक रूप से सुलभ बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीकी नवाचार भारत को वैश्विक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अग्रणी स्थान दिलाने के लिए मजबूत आधार प्रदान करेगा। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया, सहित डॉ मनीष मैथ्यु, डॉ सत्यम श्रीवास्तव एवं नवजोत कुमार भी उपस्थित रहे।

इनका कहना है...

सीएसआईआर-सीरी की इन उपलब्धियों से भारत की स्वास्थ्य सेवाएं न केवल सस्ती होंगी बल्कि विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक भी बनेंगी। यह तकनीकें हमारे वैज्ञानिक समुदाय के प्रयासों और देश की प्रौद्योगिकी क्षमताओं को दर्शाती हैं।

डॉ पीसी पंचारिया
(निदेशक, सीएसआईआर-सीरी)